ISSN:2583-8849



व्यग्र पाण्डे
गंगासिटी, राजस्थान

मनाएं दीपावली त्योहार

तेरस धन की, चौदस मन की
अमावस तन मन धन की
प्रथमा गोवर्धन की द्वितीया
होगी भाई-बहिन की।
पंच दिवसीय त्योहार की
सब स्वीकार करो बधाई
खुशहाली आरोग्य संग
जीवन में आये भलाई।
फुलझड़ी सी खिलखिलाट हो
चक्कर घूमें धन का
फब्बारे की भांति यश
छुएं सिर गगन का।
मिठाई सी हो मिठास
हर दिल में और हर मन में
दमके चेहरे दीपक से सब
जैसे सूरज-चाँद गगन में।
सभी वय के इंसानों को
हो मंगलमय त्योहार
बढ़ने लगा है मौसम पर भी
सर्दी का खुमार।
मनाएं दीपावली त्योहार
लुटाएं अंजुरी भर भर प्यार।।

इमरती बड़ी चुलबुली

इमरती है बड़ी चुलबुली
सोनपपड़ी अकड़ी अकड़ी
कलाकंद दे रहा आनंद
बरफी बिफरे करे फंद
रसगुल्ला कर रहे हल्ला
लड्डू ने झाड़ा है पल्ला
मक्खनबड़ा रहते हैं मौन
खीरमोहन की चल रही पौन
जलेबी रस में डूबी पड़ी
रबड़ी बात करे तगड़ी
मोहनभोग लगे अच्छे
गूँजी दे रही है गच्चे
घर अंदर इनके हाँके हैं
घर बाहर फुलझड़ी पटाखे हैं
लक्ष्मी जी करेगी भली भली
हम मना रहे सब दीपावली